



Mr.jitendra ji

28 Jul 1988

06:50 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119651909

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 28/07/1988
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 06:50:00 घंटे
इष्ट _____: 02:54:15 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 06:28:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:27 घंटे
साम्पातिक काल _____: 02:52:35 घंटे
सूर्योदय _____: 05:40:17 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:14:28 घंटे
दिनमान _____: 13:34:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 11:29:37 कर्क
लग्न के अंश _____: 25:29:12 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढ़ा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: विष्कुम्भ
करण _____: वणिज
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

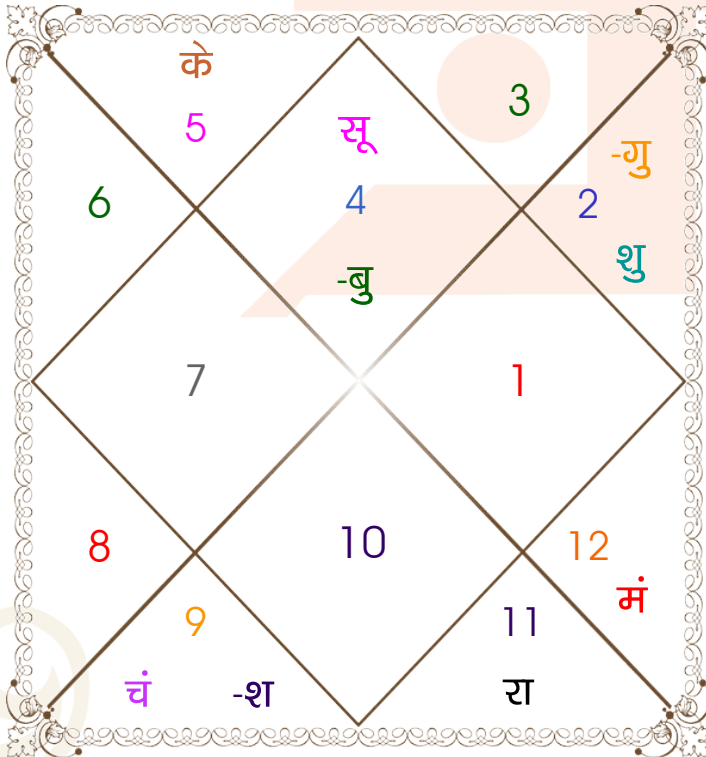
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	25:29:12	308:54:50	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
सूर्य			कर्क	11:29:37	00:57:19	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	26:22:05	14:44:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			मीन	12:08:17	00:21:14	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	मित्र राशि
बुध	अ		कर्क	04:33:30	02:05:21	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			वृष	07:18:21	00:09:37	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	28:57:57	00:39:34	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि	व		धनु	03:05:25	00:02:57	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:23:59	00:03:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:23:59	00:03:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	03:57:31	00:01:46	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
नेप	व		धनु	14:24:06	00:01:24	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:04:42	00:00:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	21:54:59	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

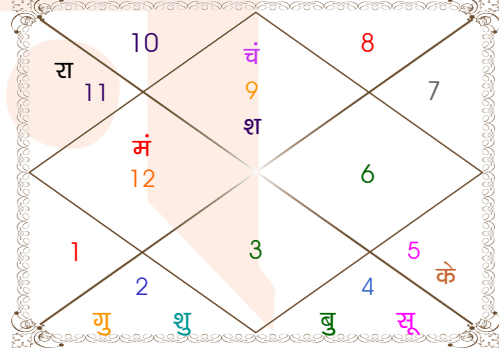
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:56

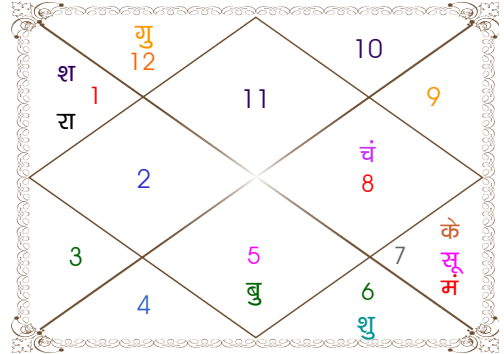
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 5 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष 28/07/1988 07/01/1989	सूर्य 6 वर्ष 07/01/1989 08/01/1995	चंद्र 10 वर्ष 08/01/1995 07/01/2005	मंगल 7 वर्ष 07/01/2005 08/01/2012	राहु 18 वर्ष 08/01/2012 08/01/2030
00/00/0000	सूर्य 27/04/1989	चंद्र 08/11/1995	मंगल 05/06/2005	राहु 20/09/2014
00/00/0000	चंद्र 27/10/1989	मंगल 08/06/1996	राहु 24/06/2006	गुरु 13/02/2017
00/00/0000	मंगल 03/03/1990	राहु 08/12/1997	गुरु 31/05/2007	शनि 21/12/2019
00/00/0000	राहु 26/01/1991	गुरु 09/04/1999	शनि 09/07/2008	बुध 09/07/2022
00/00/0000	गुरु 14/11/1991	शनि 07/11/2000	बुध 06/07/2009	केतु 28/07/2023
00/00/0000	शनि 26/10/1992	बुध 09/04/2002	केतु 02/12/2009	शुक्र 27/07/2026
00/00/0000	बुध 02/09/1993	केतु 08/11/2002	शुक्र 01/02/2011	सूर्य 21/06/2027
28/07/1988	केतु 08/01/1994	शुक्र 09/07/2004	सूर्य 09/06/2011	चंद्र 20/12/2028
केतु 07/01/1989	शुक्र 08/01/1995	सूर्य 07/01/2005	चंद्र 08/01/2012	मंगल 08/01/2030
गुरु 16 वर्ष 08/01/2030 08/01/2046	शनि 19 वर्ष 08/01/2046 07/01/2065	बुध 17 वर्ष 07/01/2065 08/01/2082	केतु 7 वर्ष 08/01/2082 07/01/2089	शुक्र 20 वर्ष 07/01/2089 29/07/2108
गुरु 26/02/2032	शनि 10/01/2049	बुध 06/06/2067	केतु 06/06/2082	शुक्र 09/05/2092
शनि 08/09/2034	बुध 20/09/2051	केतु 02/06/2068	शुक्र 06/08/2083	सूर्य 09/05/2093
बुध 14/12/2036	केतु 29/10/2052	शुक्र 03/04/2071	सूर्य 12/12/2083	चंद्र 08/01/2095
केतु 20/11/2037	शुक्र 30/12/2055	सूर्य 08/02/2072	चंद्र 12/07/2084	मंगल 09/03/2096
शुक्र 21/07/2040	सूर्य 11/12/2056	चंद्र 09/07/2073	मंगल 08/12/2084	राहु 10/03/2099
सूर्य 09/05/2041	चंद्र 12/07/2058	मंगल 06/07/2074	राहु 26/12/2085	गुरु 09/11/2101
चंद्र 08/09/2042	मंगल 21/08/2059	राहु 23/01/2077	गुरु 02/12/2086	शनि 08/01/2105
मंगल 15/08/2043	राहु 27/06/2062	गुरु 30/04/2079	शनि 11/01/2088	बुध 09/11/2107
राहु 08/01/2046	गुरु 07/01/2065	शनि 08/01/2082	बुध 07/01/2089	केतु 29/07/2108

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 5 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते हैं कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृत्ति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपके बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रुचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक बार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृत्ति अच्छे कार्यों के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृत्ति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ड्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरुचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभान्वित प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।

